

hoairnei calva, hauru cornu; germ. vet. hirmi cerebrum, horn cornu; lith. karcz'ei m. pl. jubae equorum, szeraï m. pl. setae; hib. ceann caput, fortasse per assim. e cearn.
शिरसिज *m.* (in capite natus e loc. शिरसि et ज) capillus.

शिरोधरा *f.* (e शिरस् et धर ferens in fem.) cervix. HEM.; *v. sq.* (Sic lat. *cer-vix* explicari potest e *cer* = शिरस् et *vic-s* a *vincio*, ejectâ nasali, sicut in *conjux* a *conjungo*.)

शिरोधि *m.* (e शिरस् et धि tenens, sustentans, a r. धा s. इ) cervix. AM.; *v. praec.*

शिरोरूह *m.* (in capite crescens, e शिरस् et रूह crescens, *v. euph. r. 76^b*.) capillus. H. 2. 6.

शिल् 6. *p.* (उज्के) *spicas colligere. Vid. sq. et cf. सिल्.*

शिल् *m.* (r. शिल् s. अ, nisi शिल् Denom. a शिल्) *agri tonsi reliqua stipula, spica. MAN. 3. 100. (schol. लूनके-दारशेषधन्यानि शिलाः.*

शिला *f.* lapis, saxum, petra. A. 9. 24. (Cf. lat. *silex*, *hib. clach, cloch lapis*.)

शिली *f.* (a शिल् signo fem. इ) sagitta. RAGH. 7. 62.

शिलोच्चय *m.* (e शिला et उच्चय a r. चि colligere praef. उत् s. अ) *mons. N. 12. 37. A. 9. 7.*

शिल्प *n.* opificium, ars. N. 15. 4.

शिव *Adj.* prosper, faustus, secundus. N. 24. 40. SA. 6. 44. *rectus de via. N. 20. 17. शिव Subst. n. felicitas, prosperitas. A. 5. 19. शिव m. deus Sivas.*

शिवा *f.* 1) *dea Siva, Sivi uxor. 2) canis aureus (sha cal). SA. 5. 75.*

शिवि *m.* *Sivis, nomen regis cujusdam. SA. 2. 17. Collective hujus regis poster. DR. 8. 3. (v. gr. 647).*

शिशिर (forma redupl., ut videtur, a r. श्रयै, cf. शीत) 1) *Adj. frigidus. 2) Subst. m. frigus. MEGH. 81.*

शिशिरांशु *m.* (frigidos radios habens, BAH. e शिशिर et अंशु) *luna. UR. 92. 12.; v. हिमांशु.*

शिष्य *m.* (ut videtur, forma redupl. a r. श्चि crescere, abjecto इ, mutato व् in उ) 1) *infans, parvulus, parvula. IN. 1. 27. 2) pullus, catulus. UR. 91. 10.*

1. शिष् 1. *p.* (हिंसायाम् क. वधे *r.*) *ferire, laedere, occidere. Cf. शष्, शस् et शास् sgf. 4.*

2. शिष् 7. *p.* *relinquere. Pass. relinqui, reliquum esse, restare. MAH. 3. 2070.: न तस्य (नलस्य) दासा न रथो न भ्राता न च बान्धवाः ... शिष्यन्ते स्म. — शिष् relictus, reliquus. N. 9. 3.: शिष्ठा ते दमयन्त्य एका सर्वम् अन्यज् जितम् मया; 13. 35. BH. 4. 31. — युधि शिष्ये in pugna resto i. e. cado, pereoo, sicut germanice dicitur im Kampfe bleiben. MAH. 2. 1964.: अत्राप्ये वा अत्रियं हितां शिष्ये वा निहतो युधिः. — Caus. (secundum grammaticos cl. 10.) reliquum facere, relinquere. MAH. 3. 14760.: गाण्डीवधन्वा वृकोदरश्च ... न शेषयेतां युधि शत्रुसेनाम्. — निःशेषित (BAH. e निस् et शेषित relictum, reliquiae) relictus, reliquiarum expers, non relictus. R. Schl. I. 65. 6.: निःशेषिते ऽत्रे.*

c. अत्र *Pass. relinqui, reliquum esse, restare. BH. 7. 2. — अत्रशिष् relictus, reliquus. N. 8. 5.*

c. अत्र praef. सम् *Caus. reliquum facere, relinquere. MAH. 1. 6337.*

c. उत् उच्छिष्ट relictus, reliquus. N. 13. 68. MAN. 11. 26.

c. निस् *v. simpl. Caus.*

c. परि *Caus. reliquum facere. RAGH. 12. 79.*

c. वि 1) *discernere, distinguere. Pass. discerni, distinguui. RAGH. 17. 62.: तस्य दण्डवतो दण्डः (schol. सैन्यं) स्वदेहान् न व्यशिष्यत (schol. ना भिद्यत). 2) praeferre, meliorem habere, pluris aestimare, c. acc. et instr. MAH. 3. 14735.: भानुप्रभृतिभिश्चै 'तान् विशिनष्टिच केशवः. Pass. melior haberi, majoris aestimari, c. abl. vel instr. BH. 5. 2.: कर्मसन्ध्यासात् कर्मयोगो विशिष्यते; 12. 12.: श्रेयो हि ज्ञानम् अभ्यासात् ज्ञानाद् ध्यानं विशिष्यते; BR. 2. 24.: यज्ञैस् तपोभिः ... विशिष्यते स्त्रिया भर्तुर् नित्यम् प्रियहिते स्थितिः. Absol. insigniri, insignitum, eximium esse. MAH. 1. 2916.: गुणैर् अप्सरसान् दिव्यैर् मेनके त्वं विशिष्यसे. — विशिष् insignitus, egregius, praestantissimus. N. 1. 31. Caus. superare. MAH. 3. 16449.: रावणिस तु यदा नै नं*